Bachelor of Education (B.Ed.)

पाठ्यक्रम का नाम: P.2.3 B: संस्कृत शिक्षण
(सेमेस्टर: द्वितिय)

Credits: 2
अधिकतम अंक: 50 (बाह्य: 35 आंतरिक: 15)
सप्ताह -15

कार्यक्रम का विवरण –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत के शास्त्रीय एवं आधुनिक भाषा के रूप का परिचय कराते हुए, उनमें संस्कृत भाषा अध्ययन-अध्यापन के उद्देश्यों एवं शिक्षणशास्त्रीय उपागमों के प्रति गहन अवबोध विकसित करना है। शैक्षिक एवं नीतिगत दस्तावेज़ों में निहित भाषा विमर्श के मध्य संस्कृत अध्ययन-अध्यापन की चुनौतियों एवं संभावनाओं के प्रति विद्यार्थियों में संचेतना का विकास करना भी इस पाठ्यक्रम का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में संस्कृत अध्ययन-अध्यापन के प्रति आलोचनात्मक, सृजनात्मक, प्रयोगधर्मिता एवं नवाचारी दृष्टिकोण का विकास करेगा।

अधिगम परिणाम -
इस कार्यक्रम की सम्पूर्ति का पश्चात् विद्यार्थी समर्थ हो सकेंगे-

1. विद्यार्थी संस्कृत के शिक्षणशास्त्रीय विमर्श का अवबोध प्राप्त कर सकेंगे।
2. विधागत अंतरों की समझ के आधार पर, पाठ-योजनाओं के निर्माण का बोध एवं कौशल का विकास हो सकेगा।
3. मूल्यांकन के विविध उपागमों के गुण-दोषों की समीक्षा एवं तदनरूप संस्कृत के लिए उपयुक्त मूल्यांकन के प्रारूपों को विकसित करने की दक्षता का विकास।
4. विद्यार्थी ऐतिहासिक रूप में संस्कृत शिक्षणशास्त्र के संदर्भ व्यवहृत शिक्षण विधियों का ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ हो सकेगा।

इकाई 1: **संस्कृत अध्ययन-अध्यापन विधियाँ** 7 **सप्ताह** = 14 घंटे

- पाठशाला विधि, भंडारकर विधि, व्याख्या विधि, सूत्र विधि,

Head/Dean
विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष
शिक्षा विभाग/Deptt. of Education
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007

- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं का शिक्षण – गद्य, पद्य, नाटक एवं इनकी पाठयोजनाएं.
- संस्कृत अध्ययन-अध्यापन- व्यवहारवादी एवं निर्मितिवादी.

इकाई 2: संस्कृत अध्ययन-अध्यापन के मूल्यांकन का विमर्श 8 सप्ताह = 16 घंटे

•वर्षान्त एवं सत्रान्त परीक्षा की समालोचना.

•सतत्, व्यापक एवं संचयी मूल्यांकन का विमर्श तथा उसकी समीक्षा

प्रस्तावित परियोजनाएं एवं प्रायोगिक कार्य –

- निकटस्थ संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों का निरीक्षण.
- व्यवहारवादी एवं निर्मितिवादी के आलोक में पुरातन प्रश्न पत्रों की समीक्षा.
- संस्कृत शिक्षण शास्त्र के विविध उपागमों के आधार पर नवीन प्रश्न पत्रों का निर्माण.

आवश्यक/ प्रस्तावित पाठ्यसामग्री –

- आप्टे, डी. जी (1960) टीचिंग ऑफ संस्कृत इन सेकेण्ड्री स्कूल्स, आचार्य बुक डिपो, बड़ौदा
- त्रिपाठी, राधावल्लभ (1999) संस्कृत साहित्य; 20वीं शताब्दी, राष्ट्रिय -संस्कृत-संस्थानम्, नई दिल्ली
- पाण्डेय, रामशुक्ल (2000) संस्कृत-शिक्षण, मेरठ, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
- भारत सरकार, शिक्षा-मंत्रलय : संस्कृत आयोग का प्रतिवेदन (1956-57)
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, 1986, 2020
- मिश्र, प्रभाशंकर (1979) संस्कृत-शिक्षण, चण्डीगढ़, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी
- मितल, संतोष (2000) संस्कृत-शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ
- शर्मा, नन्दराम (2007) संस्कृत-शिक्षण, साहित्य चन्द्रिका, प्रकाशन, जयपुर

अतिरिक्त पाठ्यसामग्री –

- शास्त्री,चमू कृष्ण (2019) संस्कृतकक्ष्या, संस्कृत संवर्धनप्रतिष्ठानम्,देहली

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया-

पाठ्यक्रम का अध्ययन-अध्यापन कक्षा चर्चा, वाद-विवाद, फिल्म चर्चा, मीडिया विश्लेषण, सहयोगात्मक शिक्षण कार्यों जैसे अंतक्रियात्मक (इंटरैक्टिव) प्रक्रियाओं के माध्यम से जाएगा जो विद्यार्थियों में चिन्तनशीलता, रचनाधर्मिता एवं प्रयोगशीलता का विकास करेगा।

Head/Dean
विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष
शिक्षा विभाग/Deptt. of Education
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
University of Delhi, Delhi-110007

मूल्यांकन पद्धति

मूल्यांकन प्रकृति में रचनात्मक एवं विद्यार्थियों की सहभागिता का समावेशन किया जाएगा। व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से प्रदत कार्य दिए जाएंगे। मूल्यांकन में विद्यार्थियों के लेखन एवं मौखिक दक्षताओं का ध्यान रखा जाएगा।

Head/Dean
विभागाध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष
Head Department of Education
University of Delhi, Delhi-110007